माधव राष्ट्रीय उद्यान देश का 58वाँ टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

9 मार्च, 2025 को **केंद्रीय पर्यावरण मंत्री** ने मध्य प्रदेश के **माधव राष्ट्रीय उद्यान को देश का 58वाँ बाघ अभयारण्य** घोषित किया। यह नया राष्ट्रीय उद्यान मान्यता पाने वाला राज्य का 9वाँ राष्ट्रीय उद्यान भी है।

मुख्य बिंदु

- **माधव राष्ट्रीय उद्यान**
  - **शिवपुरी ज़िले** में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान **ऊपरी विंध्य पहाड़ियों** का हिस्सा है और ऐतिहासिक रूप से मुगल सम्राटों व **ग्वालियर के महाराजाओं** का शिकार क्षेत्र रहा है।
  - इसे वर्ष **1959 में राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया था।
  - इस उद्यान में **झीलें, शुष्क पर्णपाती व काँटेदार वन** सहित समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है, जहाँ बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंगा और विभिन्न प्रकार के हिरण पाए जाते हैं।
  - यह भारत के **32 प्रमुख बाघ कॉरिडोर** में शामिल है, इसे **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के तहत **बाघ संरक्षण योजना** के माध्यम से संचालित किया जाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह निर्णय "**प्रोजेक्ट टाइगर**" के तहत बाघ संरक्षण प्रयासों को और अधिक मज़बूती देगा और भारत को **जैवविविधता** संरक्षण के प्रयासों में एक अग्रणी भूमिका निभाने में सहायता करेगा।
  - इससे बाघों की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित करने में सहायता मिलेगी।
- विगत वर्ष दिसंबर में, **केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त होने के बाद मध्य प्रदेश के **रतापानी वन्यजीव अभयारण्य** को देश का **57वाँ बाघ अभयारण्य** घोषित किया गया था।

प्रोजेक्ट टाइगर:

- **परिचय:**
  - **प्रोजेक्ट टाइगर** भारत में एक **वन्यजीव संरक्षण पहल** है जिसे वर्ष 1973 में शुरू किया गया था।
  - प्रोजेक्ट टाइगर का **प्राथमिक उद्देश्य** समर्पित **टाइगर रिज़र्व** बनाकर बाघों की आबादी के प्राकृतिक आवासों में अस्तित्त्व और रखरखाव सुनिश्चित करना है।
- **बाघों की संख्या में वृद्धि:**
  - **वर्ष 1972 में पहली बाघ जनगणना** में **1,827** बाघों की गिनती के लिये अविश्वसनीय पग-चिह्न पद्धति का उपयोग किया गया था।
  - **2022 तक**, बाघों की आबादी **3,167-3,925** होने का अनुमान है, जो **प्रतिवर्ष 6.1% की वृद्धि दर को** दर्शाता है।
  - अब भारत विश्व के **तीन-चौथाई बाघों का घर** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhav-national-park-is-the-58th-tiger-reserve-of-the-country